ओम शांति 16 OCT 2016

अव्यक्त वाणी सार

हरेक के मुख में, दिल अन्दर ओम शान्ति का अर्थ स्वरूप दिखाई दे रहा है। सभी के मुख से ओम शान्ति ही निकल रहा है, दिल में ओम शान्ति शब्द समाया हुआ है। सभी उस ओम शान्ति के अर्थ में मन की डांस कर रहे हैं

ओम शान्ति शब्द से लाभ: रोने का वायुमण्डल हो तो भी शान्ति की याद दिलाता है; कैसा भी दृश्य सामने आवे यह अपना ही रूप दिखाता है; शान्ति की लहर अपना ही अर्थ फैलाता है।

मन की डांस के फायदे: डबल ओम शान्ति बाहर मुख से भी शान्त, मन से भी शान्त; मन का आवाज पर मुख का आवाज नहीं; बहुत रमणीक है; यह इतने रंग दिखाती है जो बहुत प्यारे हैं; मन मस्ती में मगन रहता है, मुख का बोल भी कम होने लगता है

होमवर्क व प्रैक्टिस: मन की डांस को ज्यादा बढ़ाओ, आदत डालो, अन्दर ही अन्दर प्रैक्टिस होनी चाहिए। अटेन्शन देना शौक रखो मन का मौन बढ़े तो तन का मौन स्वत: ही बढ़ता जायेगा, आवाज से दूर होते जायेंगे. शांति की किरणें बढ़ती जायेगी, एक सप्ताह मन को शांति का मनाओ एक मास मन की शक्ति का लेसन बढ़ाना है। मुख की शक्ति बढ़ेगी. सेवा भी स्वत: बढ़ती जायेगी

शां ति

शां ति

ओम शांति 15-11-2016

अव्यक्त सार

बापदादा एक एक रत्न को देख खुश होते हैं जो इतना दूर से मिलने आते हैं। यह मिलन भी एक और रौनक में ले आता है। मन में उमंग कितना है, कहाँ जा रहे हैं बाबा से मिलने। आज बाबा से मिले लेकिन दिल्ली में मिले। बापदादा भी खुशी से कहाँ मिलने आये हैं? दिल्ली में आये हैं या मधुबन में। मधुबन में तो और बात है लेकिन आज दिल्ली में आये हैं। सब कितने खुश हो रहे हैं जो दूर तक नहीं पहुँच सकते, उन्हों के लिए तो जैसे स्वर्ग में जा रहे हैं। कितना दिन भी सुहाना है और सुहाने में सुहाना हमारा बाबा है। दिल्ली में राज्य तो करना है लेकिन पहले सेवा भी करनी है। और बाबा से मिलना भी है। बच्चों का प्यार सब तरफ देख बाबा भी सोचते हैं बच्चे सब देख लें। आबू में जो थोड़ा था वह तो देख लिया। इसलिए यह प्रोग्राम बनाया जो यह पास के मशहूर स्थान है जैसे जयपुर है वह देख लेवें। बाबा को बच्चों को घुमाना तो है ना। दिल्ली तो हमारे राज्य में नम्बरवन है जहाँ राज्य करेंगे ना। आप के लिए राज्य तैयार हो रहा है। बाप को भी खुशी होती है। राजधानी को भी देखें कि कहाँ राज्य करेंगे। कोई भी एडीशन करनी है तो बाबा को बता दो। हमारा राज्य तैयार तो प्रकृति भी हमारे लिए तैयार हो रही है। राजधानी देखने की खुशी तो होती है ना। मुख्य राजधानी देख ली तो सब देख लिया। जहाँ आप राज्य करेंगे वह एडवांस में देख लिया।

शांति शांति

मेरा बाबा प्यारा बाबा मीठा बाबा

अव्यक्त 5.12.16

यही पहला अव्यक्त दिन है जो अव्यक्त रूप में बापदादा मिलन का सूक्ष्म वतन में पार्ट चला था। सूरत में बापदादा की मूर्त स्पष्ट प्रत्यक्ष हुई थी। यही शब्द निकला हमारा बाबा मिल रहे हैं व्यक्त देश में होते भी अव्यक्त मिलन, अव्यक्त दिवस, अव्यक्त नजारे चारो ओर सभी के नयनों में थे। सभी के नयन मिलन डे मना रहे थे। सबके दिल में मेरा बाबा, मेरा बाबा से नयन चमक रहे हैं, मुख से बाबा ओ बाबा, मीठा बाबा, मेरा बाबा निकल रहा है वह दिन खास याद रहता है क्योंकि पहला दिन था जो निराकार से साकार, साकार से सूक्ष्म ब्रह्मा के रूप में बाबा सभी बच्चों से मिल रहे थे। सभी उस दिन की गहरी याद में खोये हुए थे नयन गंगा जमुना नदी बन रहे थे। सोचा पता नहीं कैसे हम रहेंगे बाबा बोले यह प्यारा दिन है रोने का नहीं। प्यार का स्वरूप दिखाने के दृश्य दिखा रहा था। सारी दीवारों पर 'मेरा बाबा मीठा बाबा, प्यारा बाबा' यही बहुत अच्छी डिजाइन से लिखा नजर आ रहा है। सभी प्यार के झूले में बैठे हैं। बाबा बच्चों का प्यार देखकर खुश होता है। दिल की बातें बापदादा पास पहले पहुँचती है। बाप को वह बच्चे देखने में आते हैं जो सदा ही हर्षित रहते हैं जब यह सोचेंगे ना, बाबा हमको मिल रहा है तो फीलिंग आयेगी कि बाप मिल रहा है।

बाबा देखा तो सब कुछ देख लिया

अव्यक्त - 31-12-16

HAPPY NEW YEAR 2017

सभी की दिल एक ही बात कर रही है, दिल में एक ही याद है, दिल में एक ही गीत बज रहा है। सभी के दिल में क्या है बस मेरा बाबा, वाह मेरे दिल का बाबा। बाबा और मैं दो होते भी एक है। दिल अनेक हैं लेकिन समाया हुआ एक ही है। सारी सभा के दिल में एक की ही याद है, मेरा बाबा मीठा बाबा, प्यारा बाबा। दिल से निकलना भी मुश्किल है एक दो में मिलते यही कहते हैं- मेरा बाबा कैसा है, क्या कर रहा है सबकी दिल एक ही गीत गा रही है, मेरा बाबा, मीठा बाबा कोई भी देखे तो यही दिखाई देवे, मेरा बाबा बैठा है। मेरा बाबा ऐसा छिपाकर रखो जो कोई निकाल ही नहीं सकता। दिल में कुछ भी करो लेकिन मेरा बाबा नहीं भूले सभा एक लेकिन है एक में एक, एक ही जादूगर है। एक की याद में मजा आता है क्योंकि बहुत है ही नहीं। इस याद से क्या नहीं मिलता? खुशी या रमत-गमत चाहिए इतनी मेहनत नहीं जितनी मुहब्बत है।

विभिन्न प्रैक्टिस: 1 सेकण्ड में ओमशान्ति स्वरूप में टिकना, प्रेम, याद में समाया हुआ अवस्था कितना भी टाइम रहना 1 मिनट लिए बाबा कहे तो अतीन्द्रिय सुखमय जीवन की अवस्था बनाना। कोई दर्द या ऐसी बात होवे मुस्कराते रहें। 2 मिनट से 1 घण्टा एक रस अवस्था में ठहर, अतीन्द्रिय सुख अनुभव करना आईर मिले आधा से सवा घण्टा जब चाहे जितना चाहे अपने को कण्ट्रोल कर बैठ सको।

अव्यक्त 18-1-2017

18th January

SMRITI DIVAS

सभी के मन में यही है हम बेहद के हाल में.
बेहद की सभा में. बेहद की स्थिति में स्थित हैं.
हद में बैठे भी बेहद के अनुभव में मुस्करा रहे हैं।
सभी के मस्तक में बाप. बाप के मस्तक में सभी बच्चे
बाप के मन में मेरे मीठे बच्चे. बच्चों के मन में मेरे मीठे बाबा
मिलन कितना मधुर मीठा है, बेहद का परिवार, बेहद के
मैदान में इकट्ठे हुए हैं जैसे एक छोटा सा परिवार। यह मिलन
भी एक वन्डरफुल है जैसे हम मिले हुए ही है। ऐसे ही मिलते
रहेंगे। एक दो को देख खुशी कितनी होती है। जहाँ देखो वहाँ
कितनी मधुरता है, चेहरे पर मेरा बाबा. मेरा बाबा देख करके
कितने मुस्करा रहे हैं। यह मिलन साधारण नहीं. कितने
वर्षों बाद साकार रूप में देख हर्षित हो रहे हैं। यह छोटा सा
मिलन है लेकिन उम्मीद है ऐसे मिलते रहेंगे। दिल में यही आता
मेरा बाबा हमको मिल गया बस. फिर भी बिछुड़ना पड़ेगा।
अभी दिल में क्या है - खुशी का खजाना. मिलते मिलते अभी
मिल जायेंगे। सदा खुश रहना. आपस में खुशी बांटना. और
कुछ पास नहीं तो खुशी तो है ना. बांटेंगे तो वायुमण्डल ही बदल
जायेगा। जो कोई आवे देखे कि यह खुशी का महल है। बाबा मिल
गया इसलिए खुश रहो. मुस्कराते रहो. रोना धोना खत्म। सभी काम
पर जाओ. रिपोर्ट लाओ. काम करते बाबा को नहीं भूलो। बाबा भूला
दुःख पाया. बस मेरा बाबा. बाबा और मैं। सभी खुश रहें. बस यही बाप चाहते हैं

अव्यक्त-24.2.17

81वी त्रीमूर्ति शिवजयंती की बधाई

बाप स्वयं बच्चों को माला पहनाने लिये आये हैं। सभी मालाधारी कितने शोभनीक, चमक रहे हैं। माला का शृंगार हमारा बहुत गाया हुआ है। मालाओं की यादगार है बाप और बच्चों की चारों ओर की मालायें, सभा की सजावट देख बाबा खुश, मुस्कराता है वाह मेरे बच्चे वाह रीयल फूलों का हार तो है ही, बाबा ने हरेक के गले में ओरीजनल चमकती हुई मालाओं की हार पहनाई है। और फूलों से चाहे शृंगार करे या नहीं करे. सबके मुख से वाह वाह तो निकल रहा है वही माला है। सभी की शक्ल बिल्कुल लल लंल गले में बाबा चमक रहा है। चमक ही अपनी न्यारी है। डायरेक्ट बाप ने माला पहनाई है। कितने सजे हुए सुंदर लगते हैं। यह हार पड़ा है तो माया भी हार खा लेती है। देखकर ही भाग जाती है और आप विजयी बन जाते हैं। हरेक के माला की महिमा है इतना सजाने वाला कौन? मेरा बाबा। माला देख हरेक के मन में आ रहा है माला में मेरा नाम तो है ना। बाबा से यह चमकती हुई माला की गिफ्ट लेकर जाना। खास आज के दिन के लिये बाबा माला बनाता है। मालाओं को देख कर माला पहनाने वाला याद आता है। बाबा की मूर्ति में भी माला है। बाबा के गले में सब बैठे हैं। अगर घड़ी घड़ी आप नीचे ऊपर हुए तो माला का शो क्या रहेगा। मालाधारी बन अपने चित्र देखो बाबा तो संगम पर माला पहनता नहीं बच्चों के साथ पहनता है किसको माला नहीं भी हो. मणका खो गया हो ले के जाना।

अव्यक्त - 20.3.17

संगमयुगी पूज्य, सम्पूर्णमूर्त, मुस्कराता, चमकता फरिश्ता स्वरूप अनुभव करो

बापदादा यही चाहते हैं ऐसे योग की स्टेज प्रैक्टिकल में हो। आज की सभा मैजारिटी मुस्कराते बेफिक्र बादशाहों की है। मन के साज, मुख के इशारे बोल रहे मीठे बाबा, प्यारे बाबा कोई कैसा भी हो, लेकिन सेकण्ड में बाबा उसे बदलकर वही चेहरा दिखा रहे हैं। वतन समान चमकती हुई शक्ल जैसी आप भी चमकते हुए दीपक, सितारे दिखाई दे रहे हैं। चमक बहुत सुंदर है क्योंकि हर बच्चा अपने चमत्कारी सूरत में साधारण रूप नहीं, सफेद चमकता फेस में दिखाई दे रहा है सभा बड़ी अच्छी लग रही है, बाप समान चमक रही है। जैसे ऊपर से फरिश्ते सचमुच इस धरनी पर पहुँच गये हैं यह रूप आपका बड़ा प्यारा है, सभी सम्पूर्ण मूर्ति हो गये हैं हरेक पूज्य समान दिखाई दे रहा है। इतने ताजधारी इसी को ही इमर्ज रूप में देखेंगे, टेढ़ा हो, बाका हो सब चमक रहे हैं यह अभी का रूप बाबा ने इमर्ज कर थोड़े समय दिखाया कि ऐसे आप फरिश्ते हैं ही। सारी सभा चमकीली इस में सुंदर, सभी का एक ही जैसा फरिश्ता रूप दिखाई देता है यह स्वरूप कुछ समय साथ रहेगा। मैं फरिश्ता स्वरूपधारी हूँ। थोड़ा समय यह मीठा अनुभव करके देखो। सेकंड में फरिश्ता सेकंड में साधारण अभी बाबा फरिश्ता भव का रूप प्रगट करता है, ज्यादा समय इस स्वरूप में रहना।